महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रमाणित)

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र)

Website : hindivishwa.org

विद्या-परिषद की

34वीं बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक	:	03 नवंबर, 2020 (मंगलवार)
समय	:	पूर्वाह्न 11:00 बजे
स्थान	:	ग़ालिब सभागार विश्वविद्यालय परिसर, वर्धा

विश्वविद्यालय परिसर

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

विद्या–परिषद की 34वीं बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक : 03.11.2020 (मंगलवार)

समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे

स्थान : ग़ालिब सभागार, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

मद सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
	विद्या–परिषद की 33वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि	3
1.	33वीं बैठक के कार्यवृत्त के अनुसरण में की गई अनुवर्ती कार्रवाई	
2.	कोविड–19 महामारी के मद्देनजर अकादमिक कैलेंडर 2020–21 के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त दिशा–निर्देश	
3.	विभिन्न विद्यापीठों के स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियों पर विचार 1. संस्कृति विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की 21वीं बैठक का कार्यवृत्त 2. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की 14 वीं बैठक का कार्यवृत्त 3. प्रबंधन विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की 05वीं बैठक का कार्यवृत्त 4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बैठक का कार्यवृत्त	4–5
4	शिक्षा विभाग के बी.एड., एम.एड. एवं एम.ए. शिक्षाशास्त्र के अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम LOCF,	6
5.	साहित्य विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बैठक का कार्यवृत्त	
6.	भाषा विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बैठक का कार्यवृत्त	
7.	अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय	7

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

विद्या–परिषद की 34वीं बैठक का कार्यवृत्त

विद्या–परिषद की 34वीं बैठक कुलपति की अध्यक्षता में दिनांक 03.11.2020 (मंगलवार) को पूर्वाह्न 11.00 बजे साहित्य विद्यापीठ के ग़ालिब सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में निम्नानुसार उपस्थिति थी:

1.	प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल	कुलपति एवं अध्यक्ष
2.	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	प्रतिकुलपति अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ अधिष्ठाता, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ निदेशक : विदेशी भाषा एवं अंत. अ. केंद्र
3.	प्रो. चंद्रकांत एस. रागीट	प्रतिकुलपति
4.	प्रो. मनोज कुमार	अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ अधिष्ठाता, प्रबंधन विद्यापीठ अधिष्ठाता, विधि विद्यापीठ कुलानुशासक निदेशक, म.गां.फ्यु.गुरूजी सामाजिक कार्य अ. केंद्र
5.	प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी	अधिष्ठाता, संस्कृति विद्यापीठ पुस्तकालयाध्यक्ष विभागाध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग निदेशक, भ.आं.कौ.बौद्ध अध्ययन केंद्र
6.	प्रो. कृपाशंकर चौबे	अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ विभागाध्यक्ष, जनसंचार विभाग विभागाध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग विभागाध्यक्ष, इतिहास, राजनीति विज्ञान एवं समाजशास्त्र विभाग
7.	प्रो. अवधेश कुमार	अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ अधिष्ठाता, छात्र कल्याण विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग विभागाध्यक्ष, मराठी, संस्कृत और प्रदर्शनकारी कला विभाग

8.	प्रो. अनिल कुमार राय	प्रोफेसर, जनसंचार विभाग
9.	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
10.	प्रो. फरहद मलिक	प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग
11.	प्रो. अखिलेश कुमार दुबे	प्रोफेसर एवं अकादमिक निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज **(ऑनलाइन)**
12	प्रो. विजय कुमार कौल	निदेशक, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र **(ऑनलाइन)**
13.	प्रो. प्रीति सागर	विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
14.	डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर	विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग
15.	डॉ. शिरीष पाल सिंह	विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग
16.	डॉ. मनोज कुमार राय	विभागाध्यक्ष, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
17.	डॉ. रविंद्र तु. बोरकर	विभागाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग
18.	प्रो. अवधेश प्रधान	बाह्य–विशेषज्ञ **(ऑनलाइन)**
19.	प्रो. गोविंद प्रसाद शर्मा	बाह्य–विशेषज्ञ **(ऑनलाइन)**
20.	प्रो. कुमुद शर्मा	बाह्य–विशेषज्ञ **(ऑनलाइन)**
21	प्रो. राज नारायण शुक्ल	बाह्य–विशेषज्ञ **(ऑनलाइन)**
22.	डॉ. ओमप्रकाश भारती	एसोशिएट प्रोफेसर, प्रदर्शनकारी कला विभाग **(ऑनलाइन)**
23.	डॉ. रामानुज अस्थाना	एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग **(ऑनलाइन)**
24.	डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
25.	डॉ. एच.ए.हुनगुंद	एसोशिएट प्रोफेसर, भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
26.	डॉ. अनिर्वाण घोष	सहायक प्रोफेसर, विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अ.कें.
27.	श्री शरद जायसवाल	सहायक प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग
28.	डॉ. बीर पाल सिंह यादव	सहायक प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
29.	डॉ. अख्तर आलम	सहायक प्रोफेसर, जनसंचार विभाग
30.	डॉ. अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी	भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि **(ऑनलाइन)**
31.	डॉ. उमा यादव	भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि **(ऑनलाइन)**
32.	श्री वैभव उपाध्याय	छात्र प्रतिनिधि
33.	श्री गौरव कुमार	छात्र प्रतिनिधि **(ऑनलाइन)**
34.	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान	कुलसचिव एवं पदेन सचिव

शेष सदस्य अपरिहार्य कारणवश बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

विद्या–परिषद के सहयोग के लिये अधोलिखित अधिकारी उपस्थित रहे :

1.	श्री सुशील पखिडे	सहायक कुलसचिव
2.	डॉ. राजेश्वर सिंह	सहायक कुलसचिव
3.	श्री राजेश अरोड़ा	सहायक कुलसचिव
4.	डॉ. ज्योतिष पायेङ	सहायक कुलसचिव
5.	श्री विनोद वैद्य	सहायक कुलसचिव **(ऑनलाइन)**
6.	श्री के.के.त्रिपाठी	सहायक कुलसचिव

मद संख्या –1

33वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि

विद्या–परिषद की दिनांक 19 अगस्त, 2020 को संपन्न 33वीं बैठक का कार्यवृत्त समस्त सदस्यों को भेजा गया था। इसके संबंध में किसी सदस्य से कोई टिप्पणी प्राप्त न होने के आलोक में इसे कार्य–परिषद की दिनांक 03.09.2020 को संपन्न 66वीं बैठक में अनुमोदित किया गया है।

33वीं बैठक के कार्यवृत्त के अनुसरण में की गई अनुवर्ती कार्रवाई :

विद्या–परिषद की दिनांक 19 अगस्त, 2020 को संपन्न 33वीं बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में की गई अनुवर्ती कार्रवाई का विद्या–परिषद ने संज्ञान लिया तथा अनुमोदित किया गया।

मद संख्या–2

कोविड–19 महामारी के मद्देनजर अकादमिक कैलेंडर 2020–21 के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त दिशा–निर्देश

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अवर सचिव श्री कुमार कालिकानंद द्वारा पत्र एफ.नं. 13–13/2020–सीयू.सीडीएन दिनांक 29.09.2020 के माध्यम से श्री रजनीश जैन, सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अर्द्ध शासकीय पत्र 1–1/2020 (Secy) दिनांक 22.09.2020 अग्रेषित किया गया है। कोविड 19 महामारी के मद्देनजर अकादमिक कैलेंडर 2020–21 के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का सभी विश्वविद्यालयों में अनुपालन करने का अनुरोध किया गया है।

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र D.O. No. F.1-1/2020 (Secy) दिनांक 22.09.2020 के अनुसार सत्रः 2020–21 के लिए निम्नलिखित विवरण के अनुसार अकादमिक कैलेंडर प्रस्तावित हैः–

प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की तिथि	31.10.2020
प्रथम सेमेस्टर में प्रवेशित नये विद्यार्थियों की कक्षारंभ तिथि	01.11.2020
परीक्षा की तैयारी का अवकाश	01.03.2021 से 07.03.2021
परीक्षा आयोजन	08.3.2021 से 26.03.2021
सेमेस्टर अंतराल	27.03.3021 से 04.04.2021
द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षा प्रारंभ होने की तिथि	05.04.2021
परीक्षा की तैयारी	01.08.2021 से 08.08.2021

परीक्षा की तिथि	09.08.2021 से 21.08.2021
सेमेस्टर अंतराल	22.08.2021 से 29.08.2021
अगला सत्र प्रारंभ होने की तिथि	30.08.2021

2. सत्र 2020–21 में बी.एड., एम.एड. एवं एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु चयनित अभ्यर्थियों का प्रवेश ऑनलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर घोषित करने का उल्लेख विवरणिका में है। वर्तमान स्थिति तथा पूर्व में उक्त पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया के आधार पर इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु चयनित अभ्यर्थियों की सूची लिखित प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तथा विवरणिका में उल्लिखित आरक्षण संबंधी प्रावधानों के अनुसार जारी की जा रही है।

उपर्युक्त दोनों बिन्दु विद्या–परिषद् के समक्ष स्वीकृति/कार्योत्तर स्वीकृति प्रस्तुत है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त उपर्युक्त के संबंध में विस्तृत दिशा–निर्देश पृष्ठ संख्या 03 से 08 पर संलग्न हैं।

निर्णय :

1. **विद्या–परिषद द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित संशोधित अकादमिक कैलेंडर 2020–21 को स्वीकृति प्रदान की गयी तथा इस दौरान शिक्षा मंत्रालय/ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी संशोधनों एवं आवश्यकतानुसार अकादमिक कैलेंडर में संशोधन के लिये कुलपति को अधिकृत किया गया।**
2. **सत्र 2020–21 में बी.एड., एम.एड. एवं एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु चयनित अभ्यर्थियों का प्रवेश ऑनलाइन लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर घोषित करने, वर्तमान स्थिति तथा पूर्व में उक्त पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया के आधार पर इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु चयनित अभ्यर्थियों की सूची लिखित प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तथा विवरणिका में उल्लिखित आरक्षण संबंधी प्रावधानों के अनुसार जारी करने का विद्या–परिषद ने अनुमोदन किया।**

मद संख्या–3

विभिन्न विद्यापीठों के स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियों पर विचार

1. संस्कृति विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की 21वीं बैठक का कार्यवृत्त

संस्कृति विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की 21वीं बैठक दिनांक 29.10.2020 को ऑनलाइन के माध्यम से संपन्न हुई। स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियाँ विद्या–परिषद के समक्ष पृष्ठ संख्या 10 से 42 पर विचारार्थ प्रस्तुत है।

निर्णय : संस्कृति विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की दिनांक 29.10.2020 को संपन्न 21वीं बैठक में लिये गये निर्णयों का विद्या–परिषद द्वारा संज्ञान लिया गया, बैठक में

हुई चर्चा के उपरांत स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियों को स्वीकृति प्रदान की गयी।

2. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की 14 वीं बैठक का कार्यवृत्त

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की 14 वीं बैठक दिनांक 29.10.2020 को शाम 04.00 बजे ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हुई। स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियाँ विद्या–परिषद के समक्ष पृष्ठ संख्या 144 से 160 पर विचारार्थ प्रस्तुत है।

निर्णय : अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ द्वारा विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित विभागों द्वारा अधिगम आधारित पाठ्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी से विद्या–परिषद को अवगत कराया गया। स्कूल बोर्ड की दिनांक 29.10.2020 को संपन्न बैठक में लिये गये निर्णयों का विद्या–परिषद द्वारा संज्ञान लिया गया, बैठक में हुई चर्चा के उपरांत स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियों को स्वीकृति प्रदान की गयी।

3. प्रबंधन विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की 05वीं बैठक का कार्यवृत्त

प्रबंधन विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की 05वीं बैठक दिनांक 27.10.2020 को संपन्न हुई। स्कूल बोर्ड द्वारा की संस्तुतियाँ विद्या–परिषद के समक्ष पृष्ठ संख्या 162 से 169 पर विचारार्थ प्रस्तुत है।

निर्णय : अधिष्ठाता, प्रबंधन विद्यापीठ द्वारा विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित विभागों द्वारा अधिगम आधारित पाठ्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी से विद्या–परिषद को अवगत कराया गया। स्कूल बोर्ड की दिनांक 27.10.2020 को संपन्न बैठक में लिये गये निर्णयों का विद्या–परिषद द्वारा संज्ञान लिया गया, बैठक में हुई चर्चा के उपरांत स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियों को स्वीकृति प्रदान की गयी।

4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बैठक का कार्यवृत्त

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बैठक दिनांक 30.10.2020 को संपन्न हुई। स्कूल बोर्ड द्वारा की संस्तुतियाँ विद्या–परिषद के समक्ष पृष्ठ संख्या 171 से 179 पर विचारार्थ प्रस्तुत है।

निर्णय : अधिष्ठाता, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ द्वारा विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित विभागों द्वारा अधिगम आधारित पाठ्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी से विद्या–परिषद को अवगत कराया गया। स्कूल बोर्ड की दिनांक 30.10.2020 को

संपन्न बैठक में लिये गये निर्णयों का विद्या–परिषद द्वारा संज्ञान लिया गया, बैठक में हुई चर्चा के उपरांत स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियों को स्वीकृति प्रदान की गयी।

मद संख्या–4

<u>शिक्षा विभाग के बी.एड., एम.एड. एवं एम.ए. शिक्षाशास्त्र के अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम LOCF,</u>

शिक्षा विभाग के बी.एड., एम.एड. एवं एम.ए. शिक्षाशास्त्र के अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम LOCF, अध्ययन मंडल एवं स्कूल बोर्ड की कार्योत्तर स्वीकृति की प्रत्याशा में विद्या–परिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णय : शिक्षा विभाग के बी.एड., एम.एड. एवं एम.ए. शिक्षाशास्त्र के अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम (LOCF), अध्ययन मंडल एवं स्कूल बोर्ड की कार्योत्तर स्वीकृति की प्रत्याशा में विद्या–परिषद के अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया था। पाठ्यक्रम निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से अनुमोदित न होने के कारण यह निर्णय लिया गया कि 15 दिनों के अंदर स्कूल बोर्ड की बैठक में इसे प्रस्तुत किया जाये। स्कूल बोर्ड की अनुशंसाओं को स्वीकार कर उसे लागू करने के लिये विद्या–परिषद ने कुलपति को अधिकृत किया।

मद संख्या–5

<u>साहित्य विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बैठक का कार्यवृत्त</u>

साहित्य विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बैठक दिनांक 31.10.2020 को संपन्न हुई। स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियाँ विद्या–परिषद के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

निर्णय : अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ द्वारा विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित विभागों द्वारा अधिगम आधारित पाठ्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी से विद्या–परिषद को अवगत कराया गया। स्कूल बोर्ड की दिनांक 31.10.2020 को संपन्न बैठक में लिये गये निर्णयों का विद्या–परिषद द्वारा संज्ञान लिया गया, बैठक में हुई चर्चा के उपरांत स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियों को स्वीकृति प्रदान की गयी।

मद संख्या–6

<u>भाषा विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बैठक का कार्यवृत्त</u>

भाषा विद्यापीठ के स्कूल बोर्ड की बैठक दिनांक 02.11.2020 को संपन्न हुई। स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियाँ विद्या–परिषद के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

निर्णय : अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ द्वारा विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित विभागों द्वारा अधिगम आधारित पाठ्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी से विद्या–परिषद को अवगत कराया गया। स्कूल बोर्ड की दिनांक 02.11.2020 को संपन्न बैठक में लिये गये निर्णयों का विद्या–परिषद द्वारा संज्ञान लिया गया, बैठक में हुई चर्चा के उपरांत स्कूल बोर्ड द्वारा की गई संस्तुतियों को स्वीकृति प्रदान की गयी।

मद संख्या–7

<u>अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय</u>

1. विभिन्न विभागों द्वारा अधिगम आधारित पाठ्यक्रमों की संरचना को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से अपलोड करने के लिए दिनांक 15 दिसंबर 2020 तक संबंधित विभागाध्यक्षों, अधिष्ठाता द्वारा सत्यापित कर प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया गया।
2. विभिन्न विभागों में संचालित अलग–अलग पाठ्यक्रमों के निर्माण और संचालन के लिए ज्ञानानुशासन आधारित अध्ययन मंडलों का गठन किये जाने का निर्णय लिया गया। इसके लिये आवश्यक विधिक संशोधन संबंधित निकायों से प्राप्त कर लिया जाय।
3. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली उपाधियों जैसे पीएच.डी., एम.ए., एम. एड., बी.एड., बी.ए. आदि के मानक हिंदी नामों का निर्धारण करने के लिए समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। जिसमें प्रो. अवधेश प्रधान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, प्रो. कुमुद शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं की समिति गठित किये जाने का निर्णय लिया गया। समिति द्वारा प्रस्तावित नामकरण को विद्या–परिषद की अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाये।
4. विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत बी.ए. का पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का प्रस्ताव विद्या–परिषद के समक्ष रखा गया, जिसे विद्या–परिषद ने स्वीकृत प्रदान की।
5. संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय को अमृतलाल नागर की जन्मशताब्दी पर अमृतलाल नागर चेअर स्वीकृत किया था। अमृतलाल नागर चेयर के अंतर्गत प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री जी को चेयर प्रोफेसर के रूप में नियुक्त

करने का प्रस्ताव कुलपति महोदय द्वारा विद्या–परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसे विद्या–परिषद ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की।

6. **कुलपति महोदय ने राइटर इन रेजिडेन्स के चयन लिए विद्या–परिषद और कार्य–परिषद सदस्यों से नाम प्रस्तावित करने का अनुरोध किया, विद्या–परिषद और कार्य–परिषद के सदस्यों द्वारा प्रस्तावित नामों में से एक अंतरराष्ट्रीय, तीन या चार राष्ट्रीय लेखकों को निश्चित विषय के साथ लेखन हेतु आमंत्रित किया जायेगा। राइटर इन रेजिडेन्स के नामों के साथ विषय का भी प्रस्ताव दिया जाये तो उसके अनुरूप लेखक का चुनाव किया जायेगा।**

   राइटर इन रेजिडेन्स के लिए विद्या–परिषद और कार्य–परिषद सदस्यों से नामों और विषयों के साथ प्रस्ताव आमंत्रित करने के लिए विद्या–परिषद ने स्वीकृति प्रदान की।

7. **भारतीय भाषाओं को उत्तर प्रदेश सहित हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार तथा एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद की दृष्टि से प्रायमरी रीडर जो भाषा शिक्षण की तकनीक और भाषा के मानक इन दोनों की दृष्टि से लिखी गई हो के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ से अकादमिक समझौता करने का निर्णय लिया गया।**

   उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ के अध्यक्ष प्रो. राज नारायण शुक्ल ने आश्वस्त किया कि अनुबंध करने के संबंध में शीघ्र ही हम आगे बढ़ेंगे और साथ में काम भी करेंगे।

बैठक के अंत में कुलपति महोदय ने कोरोना काल को एक अवसर के रूप में उपयोग कर प्रगति करने के लिए कैसे उपयोग किया इसका विस्तृत ब्यौरा विद्या–परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जिसमें निम्नांकित बिंदुओं का विशेष रूप में उल्लेख किया गया :

1. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती वर्ष में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/केंद्रों के माध्यम से विश्व के विभिन्न देशों में गांधीजी के विचारों पर कार्य करने वाले 08 संस्थानों जिसमें उज़्बेकिस्तान, मॉरिशस, यूएसए, जर्मनी डरबन, जोहान्सबर्ग, तेहरान, सूरिनाम आदि देशों के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनारों का हिंदी भाषा को संवाद की भाषा बनाकर आयोजन किया गया। इसी के साथ–साथ विश्वविद्यालय ने हिंदी तथा महात्मा गांधी पर केंद्रित लगभग 50 वेबिनारों के आयोजन से अवगत कराया गया।

2. कोविड–19 के मद्देनजर भारत सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक अपनी सभी कक्षाएँ ऑनलाइन लेना प्रारंभ किया था जिसमें विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों ने बढ़–चढकर सहभागिता करते हुए अपनी कक्षाएँ

ऑनलाइन माध्यम से ली। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की ऑनलाइन कक्षाओं में उपस्थिति 75% से अधिक रही है।

3. विश्वविद्यालय की पत्रिकाओं के स्वरूप बदलने के संबंध में

बहुवचन के समन्वयक संपादक प्रो. कृपाशंकर चौबे ने विद्या–परिषद को अवगत कराया कि बहुवचन का लगभग 550 पृष्ठों का जम्मू कश्मीर अंक तैयार है, कवर पर कश्मीरा देवी का चित्र है। कुलदीप चंद अग्निहोत्री जी ने एक–एक शब्द देखा है, जवाहरलाल कौल जी ने देखा है। कश्मीर जिसकी दूसरी तरह की छवि रही है देश के सामने इसका यह सांस्कृतिक वैभव इसमें देखने को मिलेगा। पत्रिका देश, समाज और भाषा के लिये हो इस उद्देश्य से भारतीय भाषाओं में कश्मीर का सांस्कृतिक वैभव, पूर्वोत्तर के समृद्ध साहित्य, कला वैभव पर एक–एक अंक प्रकाशित किया जा रहा है। दक्षिण भारत के सुब्रमणियम भारती पर भी एक अंक प्रकाशित किये जाने की योजना है।

डॉ. मनोज कुमार राय ने विद्या–परिषद को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'पुस्तक–वार्ता' के बदलते स्वरूप के संबंध में अवगत कराया कि इसमें विश्व की किसी भी भाषा के किसी भी ज्ञानानुशासन में छपी पुस्तकों की समीक्षा प्रकाशित करने की योजना है। इस योजना के अंतर्गत पहले अंक में दिल्ली मद्रास और बनारस विश्वविद्यालय के पुस्तकाध्यक्ष रहे एस. आर रंगनाथनजी की पुस्तक एस. रामानुजन की बायोग्राफी 'दि मैन एंड दि मैथमेटिसियन'की समीक्षा आ रही है। डॉ. आनंद कुमारस्वामी की पुस्तक 'दि डांस ऑफ शिव' पाकिस्तानी मूल के इतिहासकार इश्तिहाक अहमद द्वारा लिखी गयी पुस्तक 'जिन्नाहः हिज सक्सेसेज, फेलियर्स, एंड रोल इन हिस्ट्री, तथा अरूण शौरी की पुस्तक 'प्रीपेयरिंग फॉर डेथ' जैसी पुस्तकों की समीक्षाओं के प्रकाशन की योजना है। यह योजना है कि विज्ञान, गणित, इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, कहानी, कविता, उपन्यास आदि सभी विधाओं को शामिल किया जाय। प्रथम अंक में प्रसिद्ध साहित्यकार और विश्वविद्यालय के पूर्व कुलाधिपति निर्मल वर्मा जी की एक समीक्षा जो 'परती परिकथा' पर लिखी गई है, जा रही है। हम यह कोशिश करेंगे कि हर अंक में एक–एक समीक्षा जो हमारे बड़े लेखक रहे हैं उनको प्रकाशित किया जाये जिससे पाठक यह जान लें कि बड़े लेखक कैसे समीक्षा लिखते रहे हैं।

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रतिकुलपति द्वारा 'पुस्तक–वार्ता' के संबंध में विद्या–परिषद् को अवगत कराया कि पुस्तक–वार्ता के स्वरूप और अवधि में बदलाव किया गया है । अब यह पत्रिका द्विमासिक के स्थान पर त्रैमासिक होगी और केवल हिंदी–साहित्य की विविध विधाओं में लिखित पुस्तकों की सामान्य समीक्षा पत्रिका नहीं होगी । इसमें हिंदी के साथ–साथ संस्कृत और भारतीय भाषाओं के साहित्य के अलावा विश्व की किसी भी भाषा की कृतियों की समीक्षा प्रकाशित होगी । इसमें अब विद्या के किसी भी क्षेत्र और भाषा से संबंधित पुस्तकों की समीक्षाएँ प्रकाशित हो सकेंगी। पुस्तक–वार्ता में समीक्षाएँ केवल हिंदी में प्रकाशित होगी। ये समीक्षाएँ तीन श्रेणियों में होंगी। पहली श्रेणी 'क्लासिक' कृतियों के विस्तृत अध्ययन पर केंद्रित होंगी । दूसरी श्रेणी में समकालीन कृतियाँ होंगी, जिनकी परिसीमा अंक के प्रकाशन से पाँच वर्ष पूर्व तक होगी। तीसरी श्रेणी में प्रतिदर्श के रूप में कोई एक पूर्व प्रकाशित समीक्षा होगी । यत्न यह है कि 'पुस्तक वार्ता' विश्वविद्यालय की अकादमिक छवि को प्रतिबिंबित करे ।

'हिंदी समय' के स्वरूप में भी परिवर्तन किया जा रहा है । इस परिवर्तन के क्रम में 'हिंदी समय' पाक्षिक को बंद कर दिया गया है । अब यह केवल हिंदी की साहित्यिक रचनाओं का संग्रह–मात्र नहीं होगा, बल्कि इसे 'हिंदी वाङ्मय ज्ञान–कोश' के रूप में विकसित किया जाएगा । इसमें हिंदी और अन्य भाषाओं की साहित्यिक रचनाओं के साथ–साथ ज्ञान की विभिन्न विद्या–शाखाओं में मौलिक रूप से रची गयी कृतियाँ भी संगृहीत होंगी । अनूदित कृतियों का एक अलग खंड भी होगा ।

प्रो. चंद्रकांत रागीट, प्रतिकुलपति ने रोजगाराभिमुख पाठ्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। जिसमें दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की बात प्रमुखतः से बताई गई। इन पाठ्यक्रमों से आसपास के गावों में रोज़गार के अवसर का भी विवरण प्रतिकुलपति महोदय द्वारा प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के संबंध में जो प्रयास किये है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने नई शिक्षा नीति के प्रकाशन के बाद एक ही सप्ताह में उसके सिंहावलोकन के संबंध में एक पूरी किताब प्रस्तुत की है।

शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ गोपाल कृष्ण ठाकुर तथा प्रो. अनिल कुमार राय द्वारा शिक्षा नीति पर प्रकाशित पुस्तक पर विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

बाह्य सदस्य प्रो. गोविंद प्रसाद शर्मा ने अध्यक्ष महोदय से अनुरोध किया कि विश्वविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 पर तैयार की गई पुस्तक विद्या–परिषद के सभी सदस्यों को प्रेषित करें। इसे कुलपति महोदय ने सहर्ष स्वीकृत किया तथा पहले पुस्तक की ई–कॉपी और मुद्रित होने के उपरांत हार्ड कॉपी सभी सदस्यों प्रेषित किये जाने का आश्वासन दिया।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

क़ादर नवाज़ 04/11/2020

(क़ादर नवाज़ ख़ान)
कुलसचिव एवं पदेन सचिव : विद्या–परिषद
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा